05815

No. of Printed Pages : 4

एम.एच.डी.-15

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा, 2019

एम.एच.डी.-15 : हिन्दी उपन्यास-2

समय : 2 घण्टे **अधिकतम अंक : 50**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। शेष प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से **किन्हीं दो** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : [2×10=20]

(क) सदा ही ऐसा हुआ है। संत अपने जीवन में गरीबों के होते हैं। मृत्यु के बाद अमीर उन्हें छीन लेते हैं। भगवान बुद्ध भिक्षा-वृत्ति से जीवन बिताते थे। उनके निर्वाण के बाद राजा उनके प्रचारक और प्रतिनिधि बन गये। ईसा के साथ भी यही हुआ। वही इस संत के साथ हो रहा है। कल यह लोग ताजमहल की लागत का एक गाँधी स्मारक बना देंगे और गाँधीजी के सिद्धांतों को उस महल की नींव में दबा देंगे।

(ख) कोई भी अक्लमंद यह पसंद न करेगा कि चरवाहा पड़ा सोता हो और भेड़िया उसके गोल में रहे। होशियारी से दरवेशों-मुहताजों का ख्याल रख। इसलिए कि रियाया की बदौलत ही बादशाह ताजदार होता है। रियाया जड़ की तरह है और बादशाह दरख्त की तरह और दरख्त जड़ से ही मजबूत होता है।

(ग) कहानी कहना कठिन बात नहीं है। आप कोई चीज़ मेरे सामने रख दें, यह शीशे का गिलास, यह ऐश-ट्रे और कहें कि इस पर कहानी कहूँ। थोड़ी देर में मेरी कल्पना जागृत हो जायेगी और उससे संबद्ध कितने लोगों के जीवन मुझे याद आ जायेंगे और वह चीज़ कहानी का सुंदर विषय बन जायेगी।

(घ) तुम मँझौली हैसियत के मनुष्य हो और मनुष्यता के कीचड़ में फँस गये हो। तुम्हारे चारों ओर कीचड़ ही कीचड़ है।

कीचड़ की चापलूसी मत करो। इस मुगालते में न रहो कि कीचड़ से कमल पैदा होता है। कीचड़ में कीचड़ ही पनपता है। वही फैलता है। वही उछलता है।

कीचड़ से बचो। यह जगह छोड़ो। यहाँ से पलायन करो।

2. विभाजन की त्रासदी को ध्यान में रखते हुए 'झूठा सच' के महत्त्व का प्रतिपादन कीजिए। [10]

3. औपन्यासिक दृष्टि से 'जिन्दगीनामा' का मूल्यांकन कीजिए। [10]

4. 'सूरज का सातवाँ घोड़ा' की कथावस्तु का विश्लेषण कीजिए। [10]

5. 'राग-दरबारी' में व्यक्त व्यंग्य-दृष्टि का सोदाहरण विवेचन कीजिए। [10]

6. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : [2×5=10]

   (क) 'झूठा सच' का प्रतिनायक

   (ख) 'जिन्दगीनामा' की भाषा

   (ग) 'सूरज का सातवाँ घोड़ा' का प्रतिपाद्य

   (घ) 'राग-दरबारी' का शिल्प

----- x -----